मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 31 अक्टूबर 2017

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	01/11/17	02/11/17	03/11/17	04/11/17	05/11/17
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	35	35	34	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	17	17	16	16	15
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	75	78	82	84	85
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	15	16	18	18	19
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	2	5	5	2	3
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

फसल	अवस्था	सलाह
गेहूं	व्यवस्था	गेहूं की फसल के लिए उन्नत किस्मों के बीज व खाद का प्रबन्ध करें। राज–3077, राज–3777, राज–4037 राज–1482 डब्ल्यू.एच–147 व लोक–1 गेहूं की उन्नत किस्में है। बीज की मात्रा 80–100 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं। फसल के लिए नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरकों की मात्रा 120, 40 व 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं।
सरसों	बुवाई	सरसों की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है। टी–59, आर.एच–30, बायो–902, जी.एम–2, उर्वशी, व आर.एच–819 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। बुवाई हेतु 4–5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर उपयोग में लें। फसल को सफेद रोली रोग से बचाने के लिए बीज को एप्रोन 35 एस.डी. 6 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। बुवाई के समय 30 किलो ग्राम नत्रजन, 40 किलो ग्राम फास्फोरस व 40 किलो ग्राम गंधक का चूर्ण प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
बैंगन	वनस्पतिक	बैंगन की शीतकालीन फसल में पौध रोपाई के 30 दिन बाद 50 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ दें।
जौ		जौ की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीजो की व्यवस्था करें। आर.डी–2052, आर.डी–2035, आर.डी–57, आर.डी–31 व बिलाडा–2 उन्नत किस्में है।

पशु		इस समय मौसम परिवर्तनशील रहने के कारण पशुओं को रात के समय छप्पर में बांधे।

(नौडल ऑफीसर)